No. of Printed Pages/Questions: 2/4

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test – III (Round – I) 2025 – 2026

Class -10 | MM-20

Subject- Hindi | Time: 1 Hrs.

Name: ____________ | Roll No.:__________

***General Instructions:** All questions are compulsory.*

प्र0 1 निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– **(1X4=4)**

शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था बल्कि घर की चारदीवारी के बीच बैठकर देश की स्थितियों को जानने–समझने का जो सिलसिला पिता जी ने शुरू किया था, उन्होंने वहाँ से खींचकर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया। 'सन 46–47 के दिन... वे स्थितियाँ, उसमें वैसे भी घर में बैठे रहना संभव था भला?' प्रभात फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश–खरोश के साथ इस सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद। मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था। स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में। पिता जी की आजादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ–बैठूँ, जानूँ–समझूँ। हाथ उठा–उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की की अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आज़ादी के दायरे में चलना मेरे लिए। जब रगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध, सारी वर्जनाएँ और सारा भय कैसे ध्वस्त हो जाता है, यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको थरथरा देने वाले पिता जी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ था, राजेंद्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा।

I लेखिका की साहित्यिक समझ में परिवर्तन लाने में किसका योगदान था?

(क) कॉलेज की प्राचार्या का (ख) कॉलेज की प्राध्यापिका का

(ग) उसके पिता जी का (घ) लेखिका की माँ का

II सन 1946–47 के वे दिन .... वे स्थितियाँ, –यहाँ किन स्थितियों की बात की ओर संकेत किया गया है?

(क) स्त्रियों की शिक्षा में सुधार की (ख) स्वतंत्रता के लिए प्रबल होते आंदोलन की

(ग) स्वतंत्रता मिल जाने की (घ) अंग्रेज़ों के देश छोड़कर चले जाने की

III लेखिका के पिताजी द्वारा लेखिका को दी गई आज़ादी की सीमा कहाँ तक थी?

(क) मोहल्ले तक (ख) घर तक

(ग) कॉलेज तक (घ) शहर तक

IV इनमें से 'रोक लगाने' का भाव व्यक्त करने वाला शब्द कौन–सा नहीं है?

(क) निषेध (ख) वर्जनाएँ

(ग) थरथरा देना (घ) मनाही

प्र0 2 अलंकार पर आधारित निम्न पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1X4=4

I 'धाए काम–धाम सब त्यागी।
मनहुँ रंक निधि लूटन लागी।।' इन काव्य–पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए।

II 'हाय फूल–सी कोमल बच्ची,
हुई राख की थी ढेरी।' इन काव्य–पंक्तियों में कौन–सा अलंकार है?

III 'अंबर–पनघट में डूबो रही' इस काव्य–पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

IV 'आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार ।।' इन काव्य–पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए।

V 'रोमांचित–सी लगती वसुधा,
आई जौ–गेहूँ में बाली।' इन काव्य–पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए।

प्र0 3 नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों में लिखिए– 2X2=4

I 'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

II 'उत्साह' कविता किस प्रकार की रचना है ? स्पष्ट कीजिए।

III 'अट नहीं रही है' कविता में कवि का क्या संदेश है ?

प्र0 4 नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए– 4X2=8

I 'मैं क्यों लिखता हूँ ?' पाठ के आधार पर लेखक अज्ञेय के मानवीय गुणों का आँकलन कीजिए।

II हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व बाह्य दोनों का परिणाम है, यह आप कैसे कह सकते हैं ?

III 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने विज्ञान के विनाशकारी रूप को विशेषकर उजागर किया है। क्या आप लेखक की दृष्टि से सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए।

——0——